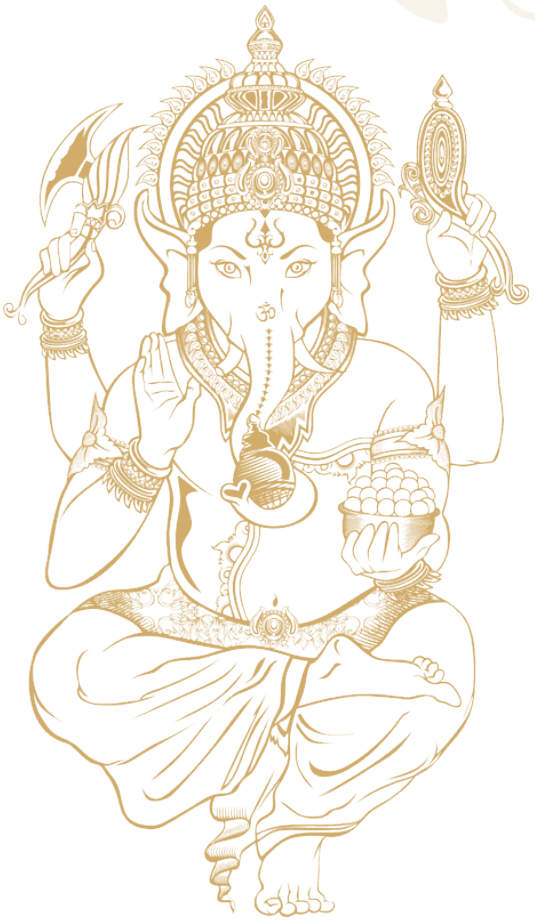

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30/08/1999 :	जन्म तिथि	: 07/10/2000
सोमवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 12:10:00 :	जन्म समय	: 17:12:00 घंटे
घटी 15:36:14 :	जन्म समय(घटी)	: 27:25:32 घटी
India :	देश	: India
Hathras :	स्थान	: Hathras
27:36:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:36:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:55:30 :	सूर्योदय	: 06:13:47
18:41:17 :	सूर्यास्त	: 17:57:10
23:50:56 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:47

विंशोत्तरी बुध 7वर्ष 1मा 13दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 0मा 11दि	
शुक्र		03:44:03	वृश्चि	लग्न	मीन	06:04:43	राहु	
13/10/2013		12:36:55	सिंह	सूर्य	कन्या	20:38:46	20/10/2015	
13/10/2033		24:24:52	मीन	चंद्र	मक	12:37:26	19/10/2033	
शुक्र	11/02/2017	03:57:44	वृश्चि	मंगल	सिंह	18:59:56	राहु	02/07/2018
सूर्य	12/02/2018	03:29:50	सिंह	बुध	तुला	15:58:22	गुरु	24/11/2020
चन्द्र	13/10/2019	11:05:36	मेष व	गुरु व	वृष	17:15:55	शनि	01/10/2023
मंगल	13/12/2020	27:39:38	कर्क व	शुक्र	तुला	21:48:54	बुध	20/04/2026
राहु	13/12/2023	23:19:55	मेष व	शनि व	वृष	06:33:44	केतु	08/05/2027
गुरु	13/08/2026	18:56:40	कर्क व	राहु व	मिथु	27:00:34	शुक्र	08/05/2030
शनि	13/10/2029	18:56:40	मक व	केतु व	धनु	27:00:34	सूर्य	02/04/2031
बुध	13/08/2032	20:06:00	मक व	हर्ष व	मक	23:10:59	चन्द्र	01/10/2032
केतु	13/10/2033	08:15:03	मक व	नेप व	मक	09:56:43	मंगल	19/10/2033
		13:55:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:54:00		

लग्न-चलित

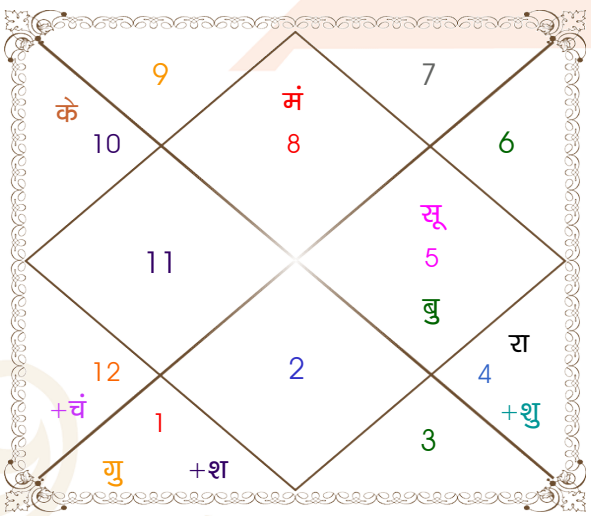

लग्न-चलित

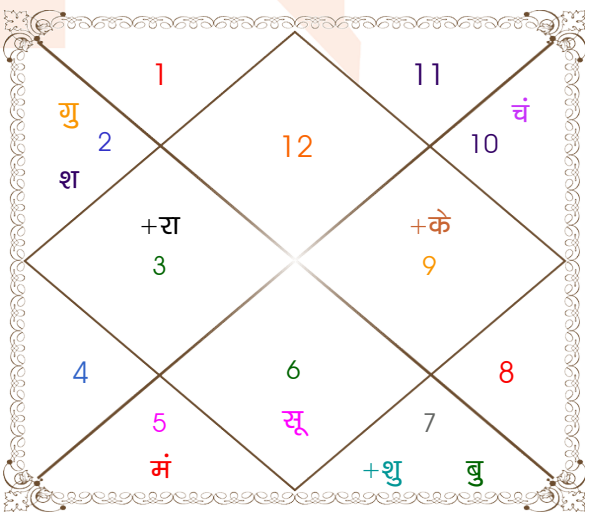

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र श्रवण है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।